

27.10.2018

घावकी चेला उर्व। कभीक कभी उपरिचर नहीं
कभीक कभी व कभी रूपों को आर-कर भावान
लगाई छिद भी टाजिद नहीं। कद कभी कदम
टाजिद व कदम पैली में धारीज डिपा जाहा है।
घावकी नखर से कम की जाकर काउ तरीक
न कभील जाव्या दाखिल दफ्तल हो।

rt-1
नखि
क
सक
धि

